

### संपादकीय संकट से घिरता रुपया

यह सबका अनुमान है कि व्यापार घाटे को नियंत्रित करना फिलहाल संभव नहीं है। ऐसे बढ़ते आयात बिल और ऋण चुकाने पर होने वाले खर्च के परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा का संकट खड़ा हो सकता है।

रुपये का भाव संभालने की भारतीय रिजर्व बैंक की कोशिशें अब नाकाम हो रही हैं। रुपये का मूल्य ना गिरे, इसके लिए रिजर्व बैंक फरवरी के बाद से अपने भंडार से 40 बिलियन डॉलर बाजार में डाल चुका है। इसके बावजूद बाजार विशेषण का अनुमान है कि जल्द ही एक डॉलर 80 रुपये का हो जाएगा। संभव है कि इस साल के अंत तक डॉलर की कीमत 82 रुपये तक पहुंच जाए। ऐसे में रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव समेत कुछ विशेषज्ञों की ये सलाह गौरतलब है कि रुपये को संभालने की कोशिश में भारत को अपने विदेशी मुद्रा भंडार को इस तरह खाली नहीं करना चाहिए। खास कर यह देखते हुए कि अगले छह से नौ महीनों में भारत को डॉलर में लिए गए 267 बिलियन डॉलर के अल्पकालिक ऋण को चुकाना है। पिछले साल सितंबर में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 642 बिलियन डॉलर थे। अब 593 बिलियन डॉलर बचे हैं।

जून में व्यापार घाटा 25 बिलियन डॉलर के भी ज्यादा हो गया, जो एक रिकॉर्ड है। अंतरराष्ट्रीय बाजार की स्थिति देखते हुए यह सबका अनुमान है कि व्यापार घाटे को नियंत्रित करना फिलहाल संभव नहीं है। ऐसे बढ़ते आयात बिल और ऋण चुकाने पर होने वाले खर्च के परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा का संकट खड़ा हो सकता है। इसी बीच रुपये की कीमत संभालने के लिए भी डॉलर बाजार में डाले जाते रहे, तो संकट और बढ़ जाएगा। स्वस्थ अर्थव्यवस्था वह होती है, जिसमें आयात बिल का भुगतान निर्यात से होने वाली आय और विदेशों में रहने वाले देशवासियों की वापस भेजी जाने वाली कमाई से हो जाए। विदेशी निवेश के जरिए आई रकम को इस पर खर्च करना अपने-आप में समस्याग्रस्त बात है। वैसे भी निवेशक इस वर्ष 30 बिलियन डॉलर रकम निकाल चुके हैं। आगे वे और भी रकम निकालेंगे। कहा जा सकता है कि जिन नीतियों पर देश चला, उनकी कीमत चुकाने का वक्त तेजी से करीब आ रहा है। ऐसे में बुद्धिमानी यह है कि अब भी हाथ समेट कर और संसाधन जुटाने के अतिरिक्त उपाय करते हुए आगे बढ़ा जाए। ये संभव है, अगर अपने 'हाई वर्क' के अलावा 'हार्वर्ड के विशेषज्ञों' की राय भी ध्यान दे।

## वाणिज्यिक निर्यात जून में 23 प्रतिशत बढ़ा, व्यापार घाटा उछलकर 26.18 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली | पेट्रोलियम उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक सामान, टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण जैसे क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन के साथ भारत से वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात जून 2022 में 23.52 प्रतिशत बढ़कर 40.13 अरब डॉलर रहा। जून 2021 में यह 32.49 अरब डॉलर था।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया कि जून में वाणिज्यिक वस्तुओं का आयात 66.31 अरब डॉलर रहा जो पिछले वर्ष के इसी माह के 42.09 अरब डॉलर से 57.55 प्रतिशत अधिक है।

जून 2022 में तेज वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़कर 26.18 अरब डॉलर पर पहुंच गया जो जून 2021 में 9.60 अरब डॉलर था। जून माह में गैर-पेट्रोलियम तथा गैर-रत्न आभूषणों (सोना, चांदी और कीमती धातु) का निर्यात 8.65 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 27.94



अरब डॉलर रहा जो पिछले वर्ष जून में 25.71 अरब डॉलर था। सरकारी आंकड़ों में बताया गया है कि जून में पेट्रोलियम और रत्न एवं आभूषणों को छोड़कर अन्य वस्तुओं का आयात 38.53 अरब डॉलर रहा जो एक वर्ष पहले की तुलना में 38.30 प्रतिशत अधिक है। जून 2021 में इन वस्तुओं का आयात 27.86 अरब डॉलर था। देश का जून माह में वस्तु एवं सेवाओं सहित कुल निर्यात 64.91 अरब डॉलर रहा जो इससे पिछले वर्ष की समान अवधि से 22.95 प्रतिशत अधिक है। जून 2022 का कुल आयात जून 2021 के मुकाबले 55.72 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

इन आंकड़ों के अनुसार जून 2022 में पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 119 प्रतिशत बढ़कर 8.65

अरब डॉलर रहा। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का इस अवधि में निर्यात 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1.67 अरब डॉलर रहा। इसी तरह जून 2022 में रेडीमेड कपड़ों का निर्यात 50 प्रतिशत बढ़कर 1.5 अरब डॉलर दर्ज किया गया और इंजीनियरिंग समानों का निर्यात तीन प्रतिशत बढ़कर 9.57 अरब डॉलर रहा।

जून 2022 में प्रमुख आयातित वस्तुओं में पेट्रोलियम, कच्चा तेल और उससे जुड़े उत्पादों का आंकड़ा लगभग दोगुना होकर 21.3 अरब डॉलर रहा जो जून 2021 में 10.67 अरब डॉलर था। सोने के आयात में 183 प्रतिशत उछाल के साथ 2.74 अरब डॉलर रहा। कोक, कोक एवं ब्रिकेट का आयात जून 2022 में वार्षिक आधार पर 260 प्रतिशत उछलकर 6.76 अरब डॉलर रहा।

### कीमती धातुओं में भारी गिरावट

मुंबई | डॉलर के चौबीस वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के दबाव में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में आई भारी गिरावट से आज परेल्स सर्फा बाजार में सोना 545 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 2232 रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती हो गई।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 2.07 प्रतिशत की भारी गिरावट लेकर 1699.39 डॉलर प्रति औंस रह गया। इसी तरह अमेरिका सोना वायदा 1.38 प्रतिशत टूटकर 1710.30 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चांदी हाजिर 5.11 प्रतिशत लुढ़ककर 18.21 डॉलर प्रति औंस बोली गई।

विदेशी बाजारों की गिरावट का दबाव परेल्स स्तर पर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी दिखा। इस दौरान सोना 545 रुपये गिरकर 50257 रुपये प्रति दस ग्राम पर और सोना मिनी 509 रुपये उतरकर 50335 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। इस बीच चांदी 2232 रुपये की भारी गिरावट लेकर 54895 रुपये प्रति किलोग्राम पर और चांदी मिनी 1950 रुपये सस्ती होकर 55608 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

### ट्रेन से सस्ता फ्लाइट टिकट, मात्र 999 रुपए में करें हवाई सफर

नई दिल्ली | अगर आप भी सस्ते फ्लाइट टिकट की बुकिंग कर हवाई सफर का मजा लेना चाहते हैं तो आपके पास मौका है मात्र 999 रुपए में फ्लाइट में सफर करने का। हैरान मत होइए आप सोच रहे होंगे कि ट्रेन से सस्ता फ्लाइट टिकट कैसे मिल सकता है। से सच है कि 1000 रुपए से भी कम में हवाई जहाज में सफर का मजा ले सकते हैं। आइए हम आपको इस ऑफर की पूरी डिटेल्स बताते हैं।

मात्र 999 रुपए में फ्लाइट टिकट फ्लाइटिंग एयरलाइंस ने



फेस्टिवल ऑफर निकाला है, जिसमें आपको मात्र 999 रुपए में हवाई जहाज से सफर करने का मौका मिल रहा है। भारत की नई विमानन कंपनी फ्लाइटिंग बंपर ऑफर लेकर आई है। प्रमोशनल ऑफर के तहत एयरलाइंस मात्र 999 रुपए में फ्लाइट टिकट बुकिंग की सुविधा दे रही है।

### इंग्लैंड के ओडीआई इतिहास में गेंदबाजी का नया आंकड़ा, ना एंडरसन ना ब्रॉड, टोपले बन गए टॉप

लंदन | बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रीस टोपले ने लॉर्ड्स के एकदिवसीय मैच में 24 रन देकर 6 विकेट लिए। यह गेंदबाजी भारत की 100 नवों की हार में काफी निर्णायक साबित हुई। 6/24 के आंकड़े के साथ समाप्त करने के लिए अपने जीवन का बेस्ट प्रदर्शन किया, जो एकदिवसीय क्रिकेट में इंग्लैंड के गेंदबाज द्वारा अब तक का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा भी है।

इंग्लैंड के ओडीआई इतिहास में गेंदबाजी का नया आंकड़ा टोपले के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ने इंग्लैंड को लॉर्ड्स में गुरुवार को दूसरे एकदिवसीय मैच में भारत पर जीत दिलाने में मदद की और तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। टोपले को सही मायने में मैन ऑफ द मैच चुना गया था, एकदिवसीय मैचों में 6 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के केवल दूसरे गेंदबाज बने। टोपले ने प्रतिद्वंद्वी कप्तान रोहित शर्मा (0) और शिखर धवन (9) को आउट कर दिया। सूर्यकुमार यादव, मोहम्मद शमी, युजवेंद्र चहल और प्रसिद्ध कृष्णा को भी आउट किया गया। कॉलिंगवुड ने बांग्लादेश के खिलाफ 31 रन देकर 6 विकेट लिए थे। रीस टोपले से पहले

पॉल कॉलिंगवुड ने बांग्लादेश के खिलाफ 31 रन देकर 6 विकेट लिए थे। ये बेस्ट आंकड़ा था। अब यह नंबर दो पर हो गया है। नंबर तीन पर 45 रन देकर 6 विकेट के साथ क्रिस वॉक्स का स्थान आता है।

ये उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था। वॉक्स ने ही 47 रन देकर 6 विकेट के साथ चौथा बेस्ट वनडे आंकड़ा इंग्लैंड की ओर से बनाया है, जहां उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ ऐसा किया था। ना एंडरसन ना ब्रॉड, टोपले बन गए टॉप टॉपले को मैन ऑफ द मैच दिया गया। उन्होंने मैच के बाद कहा, दूसरे मैच में वापसी करने के लिए शानदार टीम प्रदर्शन। अपनी भूमिका निभाकर खुशी हुई। जब जीत मिलती है तो आपका योगदान बहुत मायने रखता है। तीन साल मेरी इसी स्टेड के पीछे की जगह पर सर्जरी हुई थी। इंग्लैंड के लिए खेलना हर किसी का सपना होता है। गेम जीतने के लिए अपनी भूमिका निभाएं। इंग्लैंड ने एक आसान जीत पर मुह्र लगा दी। भारत की सभी उम्मीदें तब धूमिल हो गईं जब रवींद्र जडेजा को लियाम लिविंग्स्टोन ने 29 रन पर आउट कर दिया।

## भारतीय बॉक्सर निखिल सुरेश की चोट लगने की वजह से मौत

0 रिंग में विरोधी प्लेयर ने मारा था पंच

बेंगलुरु | बेंगलुरु में आयोजित स्टेट लेवल क्रिक बॉक्सिंग टूर्नामेंट में एक बड़ा हादसा हो गया, जिसमें भारतीय मार्शल आर्ट्स फाइटर निखिल सुरेश की मौत हो गई है। यह दर्दनाक हादसा 9 और 10 जुलाई को य. एसोसिएशन के द्वारा आयोजित कराई गई बॉक्सिंग चैंपियनशिप के एक मुकाबले में हुआ था। दरअसल, फाइट के दौरान निखिल सुरेश को विरोधी बॉक्सर ने एक ऐसा पंच मारा था कि



उन्के सिर में गंभीर चोट आई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन गुरुवार को निखिल सुरेश ने दम तोड़ दिया। इस शब्द के बाद बॉक्सिंग जगत में शोक की लहर और खिलाड़ियों में दहशत का माहौल है।

निखिल सुरेश की मौत की जानकारी उनके कोच और पिता ने सोशल मीडिया के जरिए गुरुवार को दी। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उनके पिता ने कहा है, गंभीर दुख के साथ, मैं उस खबर को साक्षात् कर रहा हूँ, जिसने हम सभी को डरा दिया है। मेरा बेटा निखिल आज जिंदगी की जंग हार गया है, कई घंटों की लड़ाई के बाद आखिर वो जिंदगी और मौत की जंग हार गया, सबसे अच्छी मेडिकल केयर के लिए धन्यवाद निखिल के पिता ने आगे कहा कि वो हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेगा और हमेशा याद आएगा। आज मैंने अपना बेटा खोया है,

इंधर मुझे और मेरे परिवार को शक्ति प्रदान करें। आपको बता दें कि निखिल के पिता ने टूर्नामेंट आयोजकों पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि बॉक्सिंग टूर्नामेंट के आयोजकों की वजह से लापरवाही हुई, जिसके चलते उनके बेटे को सही समय पर सही इलाज नहीं मिल सका। उन्होंने कहा है कि मैच के दौरान मेडिकल सुविधाओं की कमी थी, ना तो डॉक्टर थे और ना ही एंबुलेंस थी। निखिल के पिता का कहना है कि उनके बेटे को बचाया जा सकता था, अगर टूर्नामेंट के लिए मेडिकल सुविधाओं का उपलब्ध होना अनिवार्य होता।

### कंगना रनौत ने इमरजेंसी से अपना इंदिरा गांधी लुक जारी किया

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत, जिनकी पिछली फिल्म धाकड़ ने बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन किया था, ने फिल्म इमरजेंसी से अपना पहला लुक जारी किया। अभिनेत्री ने उनके द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म में दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई है। इमरजेंसी, जैसा कि शीर्षक से पता चलता है, 25 जून, 1975 को इंदिरा गांधी द्वारा घोषित आंतरिक इमरजेंसी की स्थिति के बारे में है। यह 21 मार्च, 1977 तक चला, जब जनता पार्टी एक ऐतिहासिक चुनाव में सत्ता में आई थी।



प्रोस्टेटीक्स, अलमारी और व्यवहार सभी दिवंगत प्रधानमंत्री की याद दिलाते हैं। लेकिन आलोचकों ने तुरंत यह बताया कि कंगना को सर शब्द के उच्चारण पर काम करने की जरूरत है। फिल्म के बारे में

### काँकटेल को खास फिल्म मानती है दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण फिल्म काँकटेल को अपने करियर की खास फिल्म मानती हैं। होमी अदाजानिया के निर्देशन में बनी फिल्म काँकटेल में दीपिका पादुकोण, अलावा सैफ अली खान, डायना पेंटी, बोमन ईरानी, डिंपल कपाडिया और रणदीप हुड्डा ने मुख्य भूमिका निभायी थी। काँकटेल बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुयी थी। फिल्म काँकटेल के प्रदर्शन के 10 साल पूरे हो गये हैं। काँकटेल में दीपिका ने वेरोनिका किरदार निभाया

### काँकटेल को खास फिल्म मानती है दीपिका पादुकोण

था, जिसे दर्शकों ने बेहद पसंद किया। इस फिल्म में निभाए गए किरदार को लेकर दीपिका पादुकोण का कहना है कि इसमें मेरे लिए करियर में बहुत कुछ बदल दिया और मुझे परसंती भी मुझे प्रभावित किया।

### खाना खाने के बाद एक चम्मच खाएं सौंफ

सौंफ के फायदों के बारे में हम बचपन से ही सुनते आ रहे हैं। पर क्या आप जानती हैं कि आपके किचन में इस्तेमाल होने वाली यह छोटी सी चीज आपकी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। क्योंकि अनपेक्षित हेल्थ बेनेफिट देने के साथ यह आपको कई बीमारियों से बचाने में मदद करती है। तो चलिए जानते हैं कि आयुर्वेद और रिसर्च के अनुसार सौंफ कैसे हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। सुबह खाली पेट सौंफ का पानी पीने से जल्दी वजन घटाने में मदद मिलती है। वहीं जब आप खाना खाने के बाद सौंफ का सेवन करती हैं, तो ये एक बेहतरीन माउथ फ्रेशनर का काम करती है।

**सौंफ के फायदे-** आयुर्वेद के अनुसार सौंफ के दानों को चबाने से मुह की बदबू से राहत मिल सकती है। साथ ही यह पाचन क्रिया को स्वस्थ बनाए रखती है। इसके अलावा यह पेट की गैस, एसिडिटी, खट्टी डकार आना तथा खाना पचने में परेशानी जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए बेहतरीन मानी जाती है। रोज सही मात्रा में सौंफ के इस्तेमाल से आपको कई स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिल सकती है।

- आपके हार्ट का रखे ध्यान-** नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन में पब्लिश हुई रिपोर्ट के अनुसार सौंफ में भरपूर मात्रा में फाइबर, मैग्नीशियम, पोटेशियम और कैल्शियम पाया जाता है। जो आपके हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है।
- एंटी कैंसर प्रॉपर्टी से भरपूर-** सौंफ स्वास्थ्य लाभ देने के साथ कई बीमारियों से दूर रहने में मदद करती है। टेस्टिंग एंड एप्लिकेशन स्टडीज की 2011 की रिपोर्ट के अनुसार सौंफ में एंटी कैंसर प्रॉपर्टीज पाई जाती है। क्योंकि सौंफ में एनेथोल कंपाउंड पाया जाता है। जिसमें कैंसर फाइटिंग प्रॉपर्टीज पाई जाती है।
- सूजन कम करने में कारगर-** सौंफ में भरपूर मात्रा में पोषण तत्व पाए जाते हैं जैसे कि विटामिन-सी और क्वेर्सेटिन। जो शरीर की सूजन कम करने में मदद करते हैं। साथ ही सूजन बढ़ाने वाले कारणों से भी दूर रखते हैं।
- ब्लड प्रेशर को संतुलित रखे-** सौंफ का इस्तेमाल ब्लड प्रेशर को संतुलित रखने के लिए भी किया जाता है। जनरल ऑफ फूड साइंस की में पब्लिश हुई रिपोर्ट के अनुसार सौंफ के दाने चबाने से आपके सलाइवा में पाचक एंजाइम की मात्रा बढ़ती है।

### शब्द सामर्थ्य- 134

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, चोड़े की तेज चाल, तेज गति की प्रकर करना, शिक्षा लेना 7. विवश, आबधगत 23. सर्प, साँप, लकड़ी 10. लुटपाट, डकैती 12. लाचार 8. अत्यधिक टंडा, सुस्त 9. आदि की मूर्त चन्ना। शब्दार्थ, तवाही 14. नासिका, चबसनाइंद्रीय 17. आखेटक, अरेंही गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र 1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, 19. चोग्य, काबिल 20. कामदेव की आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

उपर से नीचे

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 133 का हल

चु	स्त	मु	सं	स्था	न
ग	म	दाँ	न	गी	त
ली	प	ना	त	न	
ना	ना				ज
मा	रा	सा	ज	न	
न	स	ह	दे	व	म
व	म	व	न	ज	ल
ता	क	त	व	र	मी
ल	ल	क	क	र	त

### सू-दोक्-134

2	6	8	3
9	8	3	4
			5
5	2	7	6
8	4		1
8	9		1
5		1	6
	7		4

नियम

1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बना है।  
 2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक रखा जा सकता है।  
 3. वर्गों से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कशार और खंड में 1 से 9 तक के नौ अंक होने चाहिए।  
 4. किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोक् क्र.133 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6